मैं के बोलूं मईया री तन्नै सब बातां का बैरा स लिरिक्स

मैं के बोलूं मईया री,
तन्नै सब बातां का बैरा स,
पिछली साल घणे तारे,
पर इबके नम्बर मेरा स।lbd।

तुं चहाव: त फुटी,
तकदीर समरज्या पल भर में,
तुं चहाव: त हाथां की,
लकीर बदलज्या पल भर में,
तुं चहाव: त होवे उजाला,
ना त घोर अंधेरा स।lbd।

मेरे अगड़ पड़ोसी सारे,
तन्नै सबका काम बणाया स,
किसे न गाडी लेली,
किसे न महल बणाया स,
यो के हाल बणाया स,
मेरा दो कमरां में डेरा स।lbd।

तुं दोनु हाथ लुटाव:,
तेरे घणे खजाने भरे पड़े,
हम रोटी पुरी करते,
ओर कमा कमा क मरे पड़े,
छप्पन करोड़ का बंफर खुलज्या,
इतणा माल भतेरा स।lbd।

मेरा सपना पुरा होगा,
ना छोडी कदे आस मन्नै,
तुं सुणेगी विनती मेरी,
यो पक्का विस्वास मन्नै,
देर सही अंधेर नहीं,
नरसी ने इतणा बैरा स।lbd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मैं के बोलूं मईया री,
तन्नै सब बातां का बैरा स,
पिछली साल घणे तारे,
पर इबके नम्बर मेरा स।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार जी।
खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com